प्रश्न-पत्र : 3

पाठ्यक्रम-15

आदर्श प्रश्न-पत्र (समूह भाग-2)

कक्षा-दसवीं

हिन्दी पाठ्यक्रम-'अ'

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 100**

सामान्य निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के चार खण्ड हैं-'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।

(2) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमानुसार लिखिये।

खण्ड-क

1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिये :

माटी के बरतनों और माटी की मूर्तियों की एक सुदीर्घ परंपरा हमारे देश में रही है। माटी का दीया तो सदियों से बहुतेरे घरों में जलता ही रहा है और आज भी जलता है। आधुनिक ज़माने में भी माटी की यह महिमा हमारे देश में कम नहीं हुई, इसे गनीमत ही समझिए। आधुनिक उपकरणों ने शहरी जीवन में माटी की जगह भले ही कुछ छीनी हो, लेकिन यहाँ भी कम-से-कम पानी से भरा मटका अभी भी बचा हुआ है, जिसका पानी पीना बहुतों को अच्छा लगता है। माटी के गमले भी क्या शहर-क्या गाँव, सब जगह दिखाई पड़ते हैं। दिल्ली जैसे शहर की ही बात करें तो हर गली-मुहल्ले में रेहड़ी पर भी मिट्टी के गमले बेचने वाले मिल जायेंगे। माटी की सज्जात्मक वस्तुयें भी शहरों में काफ़ी बिकने लगी हैं। कई आधुनिक घरों में आपको माटी के बड़े-बड़े मटके भी सजे हुए मिलेंगे, जो कभी अन्न रखने के काम आया करते थे, लेकिन माटी की चीज़ों के इस प्रचलन से यह नहीं मान लेना चाहिए कि हमारे कुंभकार की हालत बेहतर हो गयी है। वह तो लगभग जहाँ का तहाँ है और कोई आँकड़ें उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन यह एक सच्चाई है कि अब कुंभकार के पेशे को स्वयं कुंभकारों की नई पीढ़ियाँचाव से नहीं अपनाना चाहतीं। यह भी एक सच्चाई है कि और चीज़ों की कीमतें चाहे जितनी बढ़ी हों, लेकिन मिट्टी के बरतनों और मिट्टी से बनाई गयी चीज़ों की कीमतें बढ़ी भी हैं, तो बहुत ज़्यादा नहीं।

हम सबके मन में रहता है कि क्या हुआ, यह माटी का ही तो है। कुछ दिनों पहले मेरे एक मित्र अपने लिए माटी के कुछ गमले खरीद रहे थे और सात-आठ-दस रुपये के गमलों की कीमत भी वे आदतन कम करा रहे थे। इस पर उनकी बेटी ने धीरे-से कहा, ''इनकी कीमतें क्यों कम करा रहे हैं ?'' मुझे उसकी बात अच्छी लगी। आमतौर पर कुंभकार के हिस्से में सचमुच बहुत थोड़ी-सी ही राशि आती है। पर सच पूछिए तो बहुत ज़्यादा राशि की उम्मीद वह कभी करता भी नहीं रहा। हमारे देश-समाज में उसकी भूमिका सचमुच अद्भुत रही है। कबीर ने भले ही यह कहा हो–

माटी कहे कुम्हार से, तू क्या रौंदे मोय।
एक दिन ऐसा आएगा, मैं रौंदूँगी तोय ।।

लेकिन कुम्हार ने माटी से अपना रिश्ता कभी अहंकार वाला बनाया ही नहीं। उसका रिश्ता तो इसके साथ एक बहुत गहरे लगाव और प्रेम का रहा है। बिना उस प्रेम और लगाव के माटी की मूरतें संभव ही कहाँ होतीं। कुंभकार की माटी ने इस देश में एक-से-एक चमत्कार प्रस्तुत किए हैं। बंगाल के विष्णुपुर के टेराकोटा के मंदिर हों या बाँकुड़ा के घोड़े या फिर दुर्गा और काली की प्रतिमायें–बहुत बड़े आकार में भी कुंभकारों और शिल्पियों ने अद्भुत चीज़ें माटी से बनाई हैं। माटी से बरतन, मूर्तियों और सज्जात्मक वस्तुयें ही नही बनती रही हैं, माटी के खिलौनों की भी एक बड़ी दुनिया रही है, और है। 'मृच्छकटिकम्' यानि मिट्टी की गाड़ी का वर्णन हमारे साहित्य और आख्यानों में तो रहा ही है, इसे गाँव में धूल से सने बच्चे सचमुच खींचकर खुश होते रहे हैं।

दीवाली आ रही है। बिजली के लट्टुओं और मोमबत्तियों की जगमगाहट के बीच अभी भी संभवत: माटी के दीये ही सबसे ज़्यादा दिखाई पड़ेंगे। चाहे धनी हो या निर्धन, माटी का दीया वह घर में रखना ही चाहता है। पता नहीं, ये दीये कितने लाख या करोड़ हर साल बनते होंगे। आधुनिक काल में अब कुछ नई चीज़ें भी माटी से बनने लगी हैं या बनवाई जाने लगी हैं। इसे भी शुभ लक्षण ही मानें, क्योंकि अगर ये किसी लहर के तहत भी बनवाई जा रही हों तो भी क्या हर्ज़ है। पिछले वर्ष एक परिवार ने हमारे घर दीवाली पर माटी की एक थाली में माटी के लक्ष्मी-गणेश और कुछ दीयों समेत खील-बताशे भेजे थे। माटी की यह थाली, उस पर लक्ष्मी गणेश और कुछ दीये अपने आप में एक कलाकृति की तरह लग रहे थे। वह हमारे पास अभी भी सुरक्षित है। ऐसी ही और भी कितनी ही चीज़ें पर्व-त्यौहारों और दीवाली पर बनने लगी हैं।

(क) मिट्टी के महत्व पर प्रकाश डालिए। 2

(ख) वर्तमान समय में भी कुंभकार की स्थिति में परिवर्तन क्यों नहीं आया ? 2

(ग) लेखक को अपने मित्र की बेटी की कौन-सी बात अच्छी लगी और क्यों ? 2

(घ) कुम्हार और मिट्टी के परस्पर संबंध पर प्रकाश डालिए। 2

(ङ) मिट्टी से बनाई जाने वाली वस्तुओं की सूची बनाइये। 2

(च) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिये। 1

(छ) विलोम शब्द लिखिये– 1

(1) धनी (2) कम

2 निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी एक पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिये :

सृजन की थकन को भूल जा देवता !
अभी तो पड़ी है धरा अधबनी,
अभी तो पलक में नहीं खिल सकी
नवल कल्पना की मधुर चाँदनी
अभी अधखिली ज्योत्स्ना की कली
नहीं जिंदगी की सुरभि से सनी–
अभी तो पड़ी है धरा अधबनी,
अधूरी धरा पर नहीं है कहीं
अभी स्वर्ग की नींव का भी पता।
सृजन की थकन भूल जा देवता
रुका तू गया रुक जगत का सृजन
तिमिरमय नयन में डगर भूलकर।

(क) कवि किससे क्या आग्रह कर रहा है ? 2

(ख) 'ज्योत्स्ना की कली' कैसी है ? 2

(ग) 'अभी तो पड़ी है धरा अधबनी' का भाव स्पष्ट कीजिये। 2

(घ) देवता के रुक जाने से क्या प्रभाव पड़ा ? 1

(ङ) काव्यांश में से अनुप्रास अलंकार का उदाहरण छाँटकर लिखिये। 1

अथवा

अपना ही मन खो बैठे जब, औरों की क्या बात है,
सह ले पागल ! चुप हो सह ले, आया जो आघात है।
दुनिया बहुत बड़ी है
जीवन का भी है विस्तार बड़ा,
तू किस भ्रम में युगों-युगों से
इस सागर के द्वार खड़ा ?
पागल फिरता दिन है मूरख ! चलती फिरती रात है।
गहराई को कौन पूछता
गहरा तो है कूप भी
पर न पहुँचता वहाँ समीरन
नहीं पहुँचती धूप भी
जीत उसकी, जो लहरों का देता रहता साथ है।
बादल का क्या दोष
फोड़ सका न यह चट्टान तू ?
पानी तो पानी है मत कर
यों अपना अपमान तू
कल्प-कल्प का धैर्य जुटे जब, बनता तभी प्रपात है।
सह ले पागल ! चुप हो सह ले, आया जो आघात है।

(क) प्रस्तुत पंक्तियों में 'पगले' का प्रयोग किसके लिए हुआ है ? 1

(ख) काव्यांश के अनुसार जीत कैसे लोगों का साथ देती है ? 2

(ग) कवि जीवन के आघातों को चुपचाप सहने को क्यों कहता है ? 2

(घ) गहरा होने पर भी कुआँ प्रकृति के किन उपादानों से वंचित रहता है ? 2

(ङ) प्रस्तुत पद्यांश में 'सराय' शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है ? 1

खण्ड–ख

3 दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिये : 10

(क) मूल्य वृद्धि अथवा महँगाई की समस्या :

(1) व्यापारियों की अत्यधिक कमाने की प्रवृत्ति (2) उत्पादन में गिरावट

(3) कृत्रिम अभाव (4) सरकारी नियंत्रण का प्रभाव

(5) कालाबाज़ारी (6) भ्रष्टाचार

(ख) आधुनिक भारतीय समाज में नारी का स्थान :

(1) शिक्षा के कारण सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ी

(2) भारतीय समाज में उनके प्रति दृष्टिकोण बदला

(3) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सफलता के झंडे गाड़े

(ग) पराधीन सपनेहुँ सुख नहीं :

(1) पराधीन मनुष्य अपना सर्वांगीण विकास नहीं कर पाता

(2) शारीरिक, मानसिक भावनायें

(3) स्वप्न में सुख नहीं प्राप्त कर सकता

(4) स्वतन्त्रता मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है–प्रत्येक प्राणी स्वतंत्र रहना चाहता है

4 आपकी कक्षा में एक नए अध्यापक पढ़ाने आए हैं जो बहुत अच्छा पढ़ाते हैं। उनके विषय में परिचयात्मक सूचना देते हुए मित्र को एक पत्र लिखिये। 5

अथवा

नवभारत टाइम्स के संपादक को पत्र लिखकर यमुना सफाई अभियान में लोगों की भागीदारी की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ग

5 (क) क्रिया–पद छाँटकर उसका भेद लिखिये : 2

(1) सूरदास ने ब्रजभाषा में सूर–सागर की रचना की।

(2) दादी मानस पढ़ रही हैं।

(ख) दिए गए वाक्यों के रिक्त स्थानों में अव्यय पदों का प्रयोग कीजिये। साथ ही यह भी लिखिये कि वह अव्यय के किस भेद में आते हैं : 2

(1) दिन .... ढल रहा था।

(2) राम .... इस काम को कोई नहीं कर सकेगा।

6 निम्नलिखित पंक्तियों में रेखांकित पदों का पद परिचय दीजिये : 2

(क) मैं कल <u>विद्यालय</u> नहीं जाऊँगा।

(ख) बगीचे में <u>सुन्दर</u> फूल खिले हैं।

7 निर्देशानुसार उत्तर दीजिये : 3

(क) वह कमरे में जाकर सो गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) झूठ बोलने वाले लोग मुझे पसन्द नहीं। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ग) आश्रित उपवाक्य चुनकर उसका भेद लिखिये :

अध्यापक चाहता है कि उसके शिष्य नाम कमायें।

8 निर्देशानुसार वाच्य बदलिए : 3

(क) मैं इस तरह बैठ नहीं सकता। (भाववाच्य में)

(ख) उन लड़कों द्वारा हम सबको मूर्ख बनाया गया। (कर्तृवाच्य में)

(ग) नीरज पतंग नहीं उड़ा रहा है। (कर्मवाच्य में)

9 निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों के रेखांकित अंशों में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिये : 3

(क) प्रश्न-चिन्हों में उठी हैं, <u>भाग्य-सागर</u> की हिलोरें।

(ख) वह जिंदगी की क्या जिंदगी जो <u>सिर्फ पानी सी बही</u>।

(ग) <u>सागर चरण पखारे</u>, <u>गंगा शीश चढ़ावै नीर</u>।

खण्ड–घ

10 निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये : 2×3=6

ऊधौ तुम हो अति बड़भागी।

अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।

पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।

ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौ लागी।
प्रीति-नदी मैं पाउँ न बोरयौं, दृष्टि न रूप परागी।

(क) प्रीति नदी में पाउँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी का भाव स्पष्ट कीजिये।

(ख) गोपियों ने अपनी तुलना किससे की और क्यों ?

(ग) उपर्युक्त काव्यांश में गोपियों की भक्ति किसके प्रति प्रकट हुई है और वह किस प्रकार की है ?

अथवा

किन्तु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले
अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले
यह विम्बना। अरी सरलते तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं।
भूलें अपनी या प्रवंचना औरों की दिखलाऊँ मैं।
उज्जवल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की।
अरे खिल-खिलाकर हँसते होने वाली उन रातों की।

(क) कवि किस बात को विडम्बना कह रहा है और क्यों ?

(ख) 'उज्ज्वल-गाथा' कौन-सी हैं, जिसे गाने में कवि स्वयं को असमर्थ पाता है ?

(ग) भूलें अपनी या प्रवंचना औरों की, का तात्पर्य स्पष्ट कीजिये।

11 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लिखिये : 3×3=9

(क) परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए ?

(ख) कवित्त के आधार पर स्पष्ट करें कि ऋतुराज वसंत के बाल-रूप का वर्णन परंपरागत वसंत वर्णन से किस प्रकार भिन्न हैं ?

(ग) कवि की आँख फागुन की सुन्दरता से क्यों नहीं हट रही है ? 'अट नहीं रही' कविता के आधार पर लिखिये।

(घ) संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं ?

12 निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिये : 1×5=5

(क) लखन उतर आहुति सरिस भृगुबरकोपु कृसानु।
बढ़त देखि जल सम बचन बोले रघुकुल भानु ।।

(1) प्रस्तुत काव्यांश की भाषा कौन-सी है ?

(2) लक्ष्मण के उत्तर किसके समान थे ?

(3) ये पंक्तियाँ कौन-से छन्द में लिखी गयी हैं ?

(4) काव्यांश में निहित अलंकार स्पष्ट कीजिये।

(5) पंक्तियों में से तद्भव शब्द चुनकर लिखिये।

(ख) उँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क
देखते तुम इधर कनखी मार
और होती जबकि आँखें चार
तब तुम्हारी दंतुरित मुसकान
मुझे लगती बड़ी ही छविमान।

(1) उपर्युक्त काव्यांश में किस भाषा का प्रयोग किया गया है ?

(2) इस काव्यांश में किन मुहावरों का प्रयोग हुआ है ?

(3) इस काव्यांश को पढ़कर किस रस की अनुभूति होती है ?

(4) 'मधुपर्क' क्या होता है ?

(5) शिशु कवि की ओर कैसे देखता है ?

13 निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किस एक पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिये : $2 \times 3 = 6$

(क) काशी संस्कृति की पाठशाला है। शास्त्रों में आनंदकानन के नाम से प्रतिष्ठित ! काशी में कलाधर हनुमान व नृत्य-विश्वनाथ हैं। काशी में बिस्मिल्ला खाँ हैं। काशी में हज़ारों सालों का इतिहास है जिसमें पंडित कंठे महाराज हैं, विद्याधरी हैं, बड़ेरामदास जी हैं, मौजुद्दीन खाँ हैं व इन रसिकों से उपकृत होने वाला अपार जन-समूह है। यह एक अलग काशी है जिसकी अलग तहजीब है, अपनी बोली और अपने विशिष्ट लोग हैं। इनके अपने उत्सव हैं, अपना गम। अपना सेहरा-बन्ना और अपना नौहा। आप यहाँ संगीत को भक्ति से, भक्ति को किसी भी धर्म के कलाकार से, कजरी को चैती से, विश्वनाथ को विशालाक्षी से, बिस्मिल्ला खाँ को गंगाद्वार से अलग करके नहीं देख सकते।

(1) शास्त्रों में काशी को आनन्दकानन के नाम से क्यों जाना जाता है ?

(2) 'यह एक अलग काशी है जिसकी अलग तहजीब है।' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिये।

(3) काशी में किसे, कैसे अलग करके नहीं देख सकते ?

(ख) फादर बुल्के संकल्प से संन्यासी थे। कभी-कभी लगता है वह मन से संन्यासी नहीं थे। रिश्ता बनाते थे तो तोड़ते नहीं थे। दसियों साल बाद मिलने के बाद भी उसकी गंध महसूस होती थी। वह जब भी दिल्ली आते जरूर मिलते-खोजकर, समय निकालकर, गर्मी, सर्दी, बरसात झेलकर मिलते, चाहे दो मिनट के लिए ही सही। यह कौन संन्यासी करता है ? उनकी चिंता हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की चिंता थी। हर मंच में इसकी तकलीफ बयान करते, इसके लिए अकाट्य तर्क देते। बस इसी एक सवाल पर उन्हें झुंझलाते देखा है हिंदी वालों द्वारा ही हिंदी की उपेक्षा पर दु:ख करते उन्हें पाया है। घर-परिवार के बारे में, निजी दु:ख-तकलीफ के बारे में पूछना उनका स्वभाव था और बड़े से बड़े दु:ख में उनके मुख से सांत्वना के जादू भरे दो शब्द सुनना एक ऐसी रोशनी से भर देता था जो किस गहरी तपस्या से जनमती है। 'हर मौत दिखाती है जीवन को नयी राह।' मुझे अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु याद आ रही है और फादर के शब्दों से झरती विरल शांति भी।

(1) फादर बुल्के मन से संन्यासी नहीं थे, लेखक ने ऐसा क्यों कहा है ?

(2) हिन्दी के लिए फादर बुल्के के योगदान पर प्रकाश डालिए।

(3) उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर फादर बुल्के की विशेषतायें लिखिये।

14 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लिखिये : $3 \times 3 = 9$

(क) शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है ?

(ख) 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर पानवाले का रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिये।

(ग) लेखिका मन्नू भंडारी का अपने पिता से कैसा वैचारिक टकराव था, उसे अपने शब्दों में लिखिये।

(घ) 'स्त्रियों को पढ़ाने से अनर्थ होता'–कुतर्कवादियों की इस दलील का खंडन द्विवेदी जी ने कैसे किया है ?

15 (क) 'संस्कृति' पाठ में लेखक ने संस्कृति के बारे में क्या विचार प्रकट किए हैं ? 3

(ख) बालगोबिन भगत के जीवन से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ? 2

16 कोकिला की तरह दुलारी का भी दूसरे के द्वारा शोषण होने से क्या अभिप्राय है ? स्त्रियों के संबंध में यहाँ हमारी किस सामाजिक मानसिक पतनशीलता का परिचय मिलता है ? 4

अथवा

लेखक अज्ञेय ने भीतरी विवशता को प्रकट करने के लिए क्या उदाहरण दिया है ?

17 दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिये : 2×3=6

(क) बालक भोलानाथ का अपनी माता के प्रति कहाँ तक का नाता था ?

(ख) रानी एलिजाबेथ के दरजी की परेशानी का क्या कारण था ? आप उसे किस तरह तर्क संगत ठहरायेंगे ?

(ग) गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया है ?

(घ) 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा' का प्रतीकार्थ समझाइये।

❑❑❑